Shri Abhishek Jain Secretary Technical Education Himachal Pradesh presided over BoG meeting of Government Hydro Engineering College, Bilaspur at the Secretariat, Shimla. DTE Shri Vivek Chandel, representatives of NHPC,NTPC,HIMTU,Principal GHEC were also present in the meeting

News Clips:-

हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला में जल्द शुरू होगी पीएचडी की पढ़ाई

तकनीकी शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में शिमला में हुई बैठक में कोर्स शुरू करने का फैसला

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला में पीएचडी कोर्स शुरू होगा। वीरवार को राज्य सचिवालय में तकनीकी शिक्षा सचिव अभिषेक जैन की अध्यक्षता में हुई कॉलेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में कोर्स शुरू करने का फैसला लिया गया।

वहीं कॉलेज में 60 लाख रुपये से डिजिटल पुस्तकालय बनाया जाएगा। 50 लाख की लागत से अत्याधुनिक कंप्यूटर खरीदे जाएंगे। तकनीकी शिक्षा सचिव ने हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर को भारत का सर्वश्रेष्ठ हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बनाने की दृष्टि से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाइड्रो और पावर क्षेत्र में अनुसंधान केंद्र की स्थापना पर बल दिया जो कि एनटीपीसी और एनएचपीसी संगठनों के सहयोग से गठित किया जाएगा।

उन्होंने संस्थान में खेलकूद गतिविधियां बढ़ाने, ग्रीन कैंपस और बोटेनिकल गार्डन स्थापित करने की

60 लाख से बनेगा डिजिटल पुस्तकालय, 50 लाख रुपये से खरीदे जाएंगे कंप्यूटर

दिशा में भी कार्य करने को कहा। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने संस्थान में एक संग्रहालय की स्थापना पर बल दिया। इसमें हाइड्रो व पावर संबंधित परियोजनाओं के मॉडल प्रदर्शित होंगे और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। बैठक में संस्थान में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया, जिसकी अनुमानित राशि लगभग 60 लाख है।

बोर्ड ने प्रदेश तकनीकी विवि को हाइड्रो इंजीनियरिंग महाविद्यालय में पीएचडी कोर्स शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। एक कार्यशाला स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक की जानकारी प्राप्त होगी। कॉलेज के निदेशक प्रो. हिमांशु मोगा, निदेशक तकनीकी शिक्षा विवेक चंदेल, एनटीपीसी, एनएचपीसी के प्रतिनिधि बैठक मौजूद रहे।

डाटा साइंस के विषयों में बढ़ रही युवाओं की रुचि : सुक्खू

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि बिलासपुर जिले में स्थित राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला में इस वर्ष बीटेक कार्यक्रम में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग (कृत्रिम मेधा व डाटा साइंस) नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

अकादमिक सत्र वर्ष 2023-24 के लिए पहली बार शुरू किए गए पाठ्यक्रम में मेरिट आधार पर 76 सीटें भरी जा चुकी हैं। वर्तमान में उभरती हुई प्रौद्योगिकी युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

सरकार राज्य के तकनीकी संस्थानों में नई पीढ़ी के पाठ्यक्रम शुरू करने को प्राथमिकता प्रदान

बंदला कॉलेज में कंप्यूटर सांइस एवं इंजीनियरिंग में भरी जा चुकीं 76 सीटें

कर रही है। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, रोहड़ू एवं चंबा में कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्ज व मैकेट्रॉनिक्स के विशिष्ट पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रदेश के 17 औद्योगिक तकनीकी संस्थानों में इसी अकादमिक सत्र से औद्योगिक क्षेत्र की मांग के अनुरूप इलेक्ट्रिक व्हीकल मेकेनिक, तकनीकी मैकेट्रॉनिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्ज सहित नई पीढ़ी के अन्य पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और प्रशिक्षु इसमें गहन रूचि दर्शा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू का आइडिया सुपरहिट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सब्जेक्ट को मिला जबरदस्त रिस्पांस, हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज में सभी सीटें फुल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-शिमला

गुड न्यूज

बुधवार को राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक शिमला सचिवालय में हुई। इसकी अध्यक्षता तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव डा. अभिषेक जैन ने की। इस बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के उस आइडिया की खूब चर्चा हुई, जिसे हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज में बहुत बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है। मुख्यमंत्री ने संस्थान में सत्र 2023-24 से कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (स्पेशलाइजेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस) का कोर्स शुरू करने को कहा था। इस कोर्स के लिए प्रशिक्षणार्थियों का जबरदस्त रुझान देखा गया और प्रवेश प्रक्रिया के पहले ही राउंड में सारी सीटें मेधावी प्रशिक्षणार्थियों से भर गई। इस सब्जेक्ट के लिए कुल 76 सीटें रखी गई थी, जिनके लिए कट ऑफ 94 फीसदी गई है। यह रिस्पांस ऐसा है कि कालेज को इस सब्जेक्ट में विस्तार के लिए योजना बनानी पड़ रही है। इस बैठक में निदेशक तकनीकी शिक्षा विवेक चंदेल के अलावा एनटीपीसी, एनएचपीसी और प्रदेश तकनीकी विवि के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर के निदेशक/प्रधानाचार्य प्रोफेसर हिमांशु मोगा ने संस्थान में चल रहे भवन निर्माण व अन्य गतिविधियों से सभी प्रतिनिधियों को अवगत करवाया। बैठक में संस्थान में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने के प्रस्ताव को पारित किया गया, जिसकी अनुमानित राशि लगभग 60 लाख रुपए है। इसके अतिरिक्त संस्थान के लिए अत्याधुनिक कम्प्यूटर खरीदने का भी फैसला किया गया, जिसकी अनुमानित राशि 50 लाख रुपए है। कालेज में पीएचडी कोर्स शुरू करने के प्रदेश तकनीकी वि विको निर्देश दिए गए। संस्थान में एक कार्यशाला स्थापित करने का भी फैसला दिया गया जिसके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अत्याधुनिक तरीके से वर्चुअल रियलिटी की मदद से आधुनिक तकनीक का अनुभव होगा। सचिव तकनीकी शिक्षा अभिषेक जैन ने हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर को भारत का सर्वश्रेष्ठ हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बनाने की दृष्टि से कार्य करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा क्षेत्र पर अनुसंधान केंद्र बनेगा

बैठक में हाइड्रो और पावर क्षेत्र में अनुसंधान केंद्र की स्थापना पर बल दिया गया जो एनटीपीसी और एनएचपीसी संगठनों के सहयोग से गठित किया जाएगा। इसके अलावा संस्थान में एक संग्रहालय की स्थापना के महत्व पर जोर दिया, जिसमें हाइड्रो और पावर संबंधित परियोजनाओं के मॉडल प्रदर्शित होंगे छात्रों को प्रेक्टिकल ज्ञान मिलेगा।

- डिजिटल लाइब्रेरी-कम्प्यूटर पर खर्च होंगे 1.10 करोड़